बार-बार हो रहे अतिक्रमण निगम, प्रशासन की लापरवाही का नमूना है, ठोस रणनीति की जरूरत

शहर में अतिक्रमण हटाओ मुहिम पर उठते सवाल

कार्रवाई के बाद फिर आ जाते हैं कब्जाधारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाड़ा

नगर पालिका निगम द्वारा शहर में चलाया जा रहा अतिक्रमण विरोधी अभियान एक बार फिर चर्चा और सवालों के केंद्र में आ गया है। निगम का अमला इन दिनों शहर के विभिन्न प्रमुख इलाकों—गुलाबरा, सत्कार चौराहा, पोस्ट ऑफिस के सामने की लाइन, इमलीखेड़ा चौक से लेकर परासिया नाका तक—लगातार कार्रवाई करता नजर आ रहा है। जेसीबी मशीनों और भारी अमले के साथ गुमटियों को हटाया जा रहा है, सड़क किनारे ठेला लगाकर व्यवसाय करने वालों को खदेड़ा जा रहा है और सब्जी विक्रेताओं पर सख्ती दिखाई जा रही है।

हालांकि, इन कार्रवाइयों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया जाता है, वहां कुछ ही दिनों में फिर से कब्जे हो जाते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या नगर निगम की यह मुहिम वास्तव में शहर को अतिक्रमण मुक्त बना पाने में सक्षम है या फिर यह केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

पिछले एक वर्ष के दौरान नगर निगम द्वारा कई बार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। हर बार भारी संसाधनों का उपयोग किया गया—डीजल, जेसीबी, कर्मचारियों का अमला और प्रशासनिक व्यवस्था—लेकिन इसके बावजूद परिणाम स्थायी नहीं रहे। इससे यह प्रतीत होता है कि या तो कार्रवाई में निरंतरता और सख्ती की कमी है या फिर यह अभियान बिना ठोस रणनीति के चलाया जा रहा है।

शहर में आम चर्चा है कि निगम की कार्रवाई भेदभावपूर्ण है। सड़क किनारे ठेला लगाकर जीवनयापन करने वाले छोटे दुकानदार—जैसे सब्जी विक्रेता, चना-फुटाना बेचने वाले, पान ठेला संचालक, गुपचुप विक्रेता और नारियल बेचने वाले—सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। इन लोगों की रोजी-रोटी पूरी तरह इसी काम पर निर्भर है, लेकिन अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के दौरान सबसे पहले इन्हीं पर डंडा चलता है।

इसके विपरीत, शहर में कई ऐसे बड़े अतिक्रमण मौजूद हैं, जिन पर निगम की नजर नहीं पड़ती या फिर जानबूझकर अनदेखी की जाती है। शासकीय जमीनों पर कब्जा कर बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर भवनों के बेसमेंट, जो कि पार्किंग के लिए निर्धारित हैं, वहां पैथोलॉजी लैब, क्लीनिक और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां धड़ल्ले से संचालित हो रही हैं। इससे न केवल नियमों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि शहर में पार्किंग की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। अवैध निर्माण का मुद्दा भी शहर में तेजी से उभर रहा है। बिना अनुमति के बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो रही हैं और भवन निर्माण के नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। ऐसे मामलों में नगर निगम की भूमिका केवल नोटिस जारी करने तक सीमित दिखाई देती है। कई मामलों में नोटिस देने के बाद भी आगे कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, जिससे यह धारणा बन रही है कि मामलों को दबाने के लिए अंदरखाने समझौते किए जाते हैं। हालांकि इस तरह की चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन शहर में इनकी चर्चा आम है।

प्रशासनिक निष्पक्षता पर खड़े हो रहे सवाल

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या नगर निगम प्रभावशाली और रसूखदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने से बच रहा है। क्या राजनीतिक दबाव या स्थानीय प्रभावशाली लोगों का दबदबा निगम की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर रहा है? यदि ऐसा है, तो यह न केवल प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि आम जनता के बीच असंतोष को भी बढ़ाता है।

निष्पक्ष कार्यवाही से होगा समस्या का समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि अतिक्रमण की समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है जब कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष और सख्त हो। यदि नगर निगम पहले बड़े अतिक्रमणकारियों—अवैध निर्माण करने वालों, शासकीय जमीनों पर कब्जा करने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रभावशाली लोगों—पर कार्रवाई करता है, तो छोटे अतिक्रमण अपने आप नियंत्रित हो सकते हैं।

अभी भी अतिक्रमण की बनी है समस्या

फिलहाल, छिंदवाड़ा में अतिक्रमण हटाओ मुहिम जिस तरह से चल रही है, उसमें स्थायित्व की कमी साफ नजर आ रही है। बार-बार कार्रवाई और फिर उसी स्थान पर दोबारा अतिक्रमण का खड़ा हो जाना इस बात का संकेत है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने की बजाय केवल सतही समाधान किए जा रहे हैं। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस और निष्पक्ष कदम नहीं उठाए गए, तो यह अभियान केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाएगा और शहर में अतिक्रमण की समस्या जस की तस बनी रहेगी।

मोहखेड़ पुलिस ने की कार्यवाही

बिजली वायर चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाड़ा

थाना मोहखेड़ पुलिस ने बिजली के वायर चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया सामान भी बरामद कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 मार्च 2026 को प्रार्थी रेवाराम माटे (60 वर्ष), निवासी पंप हाउस कॉलोनी चंदनगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह ग्राम खुनाझिरकलां में अपने नए मकान का निर्माण करवा रहा है। मकान में बिजली फिटिंग का कार्य पूरा हो चुका था, जिसमें आर.आर. कंपनी के वायर लगाए गए थे। कुछ कम वोल्टेज वायर निकालकर एक बोरी में रखे गए थे।

20 मार्च की शाम को मकान में सभी वायर सुरक्षित थे, लेकिन 21 मार्च की सुबह जब प्रार्थी वहां पहुंचा तो पाया कि अज्ञात चोर छत के रास्ते घर में घुसकर कमरे में लगे वायर काटकर तथा बोरी में रखे वायर चोरी कर ले गया है। चोरी गए वायर की कीमत लगभग 40 हजार रुपये बताई गई।मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 116/26 धारा 331(4), 305(क) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 23 मार्च को इमरान खान (24 वर्ष) और 24 मार्च को नरेंद्र नेवारे (24 वर्ष), दोनों निवासी सिवनी, को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक ऑटो (क्रमांक MP22CAZE1405) एवं बिजली वायर जब्त किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 1 लाख 90 हजार रुपये आंकी गई है। गौरतलब है कि आरोपी नरेंद्र नेवारे के खिलाफ पहले से ही चोरी सहित विभिन्न धाराओं में कई मामले दर्ज हैं।इस कार्रवाई में निरीक्षक विजयराव माहोरे, उपनिरीक्षक राजेश साहू, सहायक उपनिरीक्षक अखिलेश तिवारी सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एनएच निर्माण के विरोध में बोरगांव बंद सफल

बोरगांव: ग्राम पंचायत बोरगांव में प्रस्तावित नेशनल हाईवे के वर्तमान स्वरूप को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। हाईवे को गांव के बीच से ले जाने के विरोध में मंगलवार को बोरगांव पूरी तरह बंद रहा। व्यापारियों और ग्रामीणों के इस एकजुट प्रदर्शन के बाद प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर बाईपास मार्ग की मांग दोहराई गई।आंदोलन के आह्वान पर सुबह से ही बोरगांव के व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। व्यापारियों ने स्वेच्छा से इस बंद का समर्थन करते हुए स्पष्ट किया कि वे गांव के विकास के पक्ष में हैं, लेकिन सुरक्षा की कीमत पर नहीं। मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का तर्क है कि यदि नेशनल हाईवे गांव के मुख्य रिहायशी और बाजार क्षेत्र से होकर गुजरता है, तो इसके कई दुष्प्रभाव होंगे:जिसमे भारी वाहनों की आवाजाही से बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरा बढ़ जाएगा। गांव के बीचों-बीच डिवाइडर और भारी ट्रैफिक से स्थानीय आवागमन बाधित होगा।ग्रामीणों की मांग है कि हाईवे को आबादी क्षेत्र से बाहर (बाईपास) कर दिया जाए, ताकि गांव की शांति और सुरक्षा बनी रहे।बोरगांव शत प्रतिशत सफल बंद के बाद ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल जिला मुख्यालय पहुंचा।

आज हनुमान लोक में मुख्यमंत्री का होगा ऐतिहासिक स्वागत

मुख्यमंत्री करेंगे जामसांवली में श्रमिकों का सम्मान, मप्र-महाराष्ट्र के 200 कलाकार करेंगे मुख्यमंत्री का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री चमत्कारिक हनुमान मंदिर, जाम सावली में गुरुवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगमन होने जा रहा है।आयोजन को लेकर चमत्कारिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट कमेटी एवं प्रशासन की ओर से चाक चोबध व्यवस्थाओं के साथ अभूतपूर्व तैयारीया की गई है। हनुमान लोक और जामसावली मंदिर परिसर को भगवा पताकाओ,आधुनिक साज-सज्जा,के साथ ही लेजर लाइटिंग से सजाया गया,आयोजन को लेकर बुधवार को चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट कमेटी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया,सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार, दोपहर 11 बजे जाम सावली हनुमान लोक पहुंचेंगे। यहां पर मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा विकसित हनुमान लोक परियोजना तथा मंदिर संस्थान द्वारा निर्मित किए गए विशाल सभामंडप का लोकार्पण करेंगे,देहली पूजन के पश्चात वे गर्भगृह में बजरंगबली के दर्शन ओर मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों से भेंट,मंदिर निर्माण कार्य में लगे हुए श्रमिकों का सम्मान करेंगे पश्चात रामसभा को संबोधित करेंगे।

भक्तों के लिए बनाई ऐतिहासिक सुलभ व्यवस्थाएं

मुख्यमंत्री मोहन यादव के आगमन भगवान श्रीराम जन्मोत्सव एवं 2 अप्रैल तक चलने वाले भव्य दिव्य आयोजन को लेकर ट्रस्ट कमेटी एवं प्रशासन अभूतपूर्व व्यवस्थाएं बनाई है। चमत्कारिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि आयोजन में आने वाले हजारों भक्तों के लिएपूरे मंदिर क्षेत्र में विशाल मंडप, आकर्षक लाइटिंग, सुरक्षा, पेयजल,साफ-सफाई,अलग अलग पार्किंग, स्वास्थ्य सेवाएं, एम्बुलेंस फायर ब्रिगेड, की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्थाएं बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का संस्थान द्वारा मराठी संस्कृति अनुसार मुख्य द्वार हनुमान लोक से मध्य प्रदेश महाराष्ट्र के 200 कलाकारों के द्वारा, पुष्पवर्षा,नृत्य विभिन्न झांकियां से स्वागत सत्कार किया जाएगा, मंदिर विकास का उल्लेख करते हुए श्री शर्मा ने बताया की मंदिर परिसर से लगी हुई 11 एकड़ जमीन क्रय की है। मंदिर परिसर में सभा मंडप श्रद्धालु हेतु प्रसादम सभी भक्तों निवास नवीनीकरण, लिफ्ट, प्रशासनिक भवन, प्रसाधन, पेयजल व्यवस्था पूजा सामग्री दुकानों का विस्थापन, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग क्षेत्र सोलर स्थापना आदि का निर्माण संस्थान के द्वारा किया गया है। संस्थान के पास में एक वर्ष में 28 एकड़ से बढ़कर लगभग 68 एकड़ जमीन हो गई है। सभी आयोजनों का क्षेत्रवासियों को अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। ट्रस्ट कमेटी की ओर से की गई है।

इलाज का झांसा देकर विवाहिता से बलात्कार करने वाले आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को धरदबोचा

बलात्कारी फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाड़ा

दमुआ थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिरसाम को थाना उपस्थित होकर पीड़िता ने अपने साथ हुए बालात पूर्वक कृत्य की लिखित शिकायत दर्ज करवायी चूकि मामला गंभीर होकर महिला संबंधी अपराध होने से महिला अधिकारी से पीडिता के कथन लेखबध्द कराये गये जो आरोपी द्वारा घटना 1 मार्च की शाम करीब 4:00 बजे पीडिता के द्वारा स्वंय का इलाज करने के लिये बुलाये जाने पर आरोपी झोलाछाप डॉक्टर अमित यदुवंशी द्वारा पीडिता को घर पर अकेला पाकर पीडिता के साथ जोर जबरदस्ती गलत काम (बलात्कार) कर किसी को बताने पर जान से खत्म करने की धमकी दी गयी घटना सत्य पाए जाने पर पीड़ति के आवेदन पर जाँच उपरांत थाना दमुआ में अपराध क्रमांक 42/2026 धारा 64 (1) 351 (3) बीएनएस का मामला पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया जो विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश पतासाजी कर आरोपी झोलाछाप डॉ अमित पिता कमल यदुवंशी निवासी हरियागढ़ थाना दमुआ जिला छिंदवाड़ा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जो जुर्म करना स्वीकार किया गया जिसे गिरफ्तार कर माननीय सक्षम न्यायालय मे पेश किया गया जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया।

4 अप्रैल तक वाराणसी (काशी)-अयोध्या तीर्थ यात्रा

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अंतर्गत जिला छिन्दवाड़ा से चयनित तीर्थ यात्रियों की वाराणसी (काशी)-अयोध्या तीर्थ यात्रा का आयोजन 30 मार्च से 04 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। इसके लिए विशेष ट्रेन 30 मार्च 2026 को छिन्दवाड़ा रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेगी।

- न्यायालय तहसीलदार छिन्दवाड़ा (ग्रामीण) -
-::इश्तहार::-
रा0प्र0क- 0549/अ-6/2025-26
मौजा डोडारैयत
चूंकि श्याम कुमार वर्मा पिता स्व श्री मूरतराम जाति लोधी निवासी शहपुरा तहसील व जिला छिन्दवाड़ा द्वारा मौजा डोडा रैयत पटवारी हल्का नंबर 36 राजस्व निरीक्षक मण्डल घाटपरासिया 03 में स्थित भूमि खसरा नंबर 2/4, 2/7, 3/1,4 रकबा 0.656, 0.1040, 0.400, 0.324 हेक्टेयर भूमि के खातेदार मूरतराम पिता बृजलाल दिनांक 18/03/2025 को मृत्यु होने से वारसान हक के आधार पर नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र लोकसेवा केन्द्र छिन्दवाड़ा का दिनांक 13/03/2026 के माध्यम से प्राप्त हुआ है। एतद् द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि, यदि उक्त आवेदन पर उन्हें कोई आपत्ति हो या दावा हो तो स्वयं या किसी अधिकृत अधिवक्ता अथवा मान्य अभिकर्ता के साथ उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत इस न्यायालय में पेशी 30/03/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि तथा स्थान पर उपस्थित नही हो पाने की अथवा दावा आपत्ति प्रस्तुत नहीं कर पाने की दशा में अथवा पश्चात में प्राप्त होने वाले किसी भी दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर मय न्यायालय की पदमुद्रा के जारी किया गया।
पदमुद्रा
दिनांक 24/03/2026
नायब तहसीलदार
छिन्दवाड़ा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का छिंदवाड़ा-सौंसर दौरा आज, कई परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण-भूमिपूजन

छिंदवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार को छिंदवाड़ा और सौंसर के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे सौंसर के जामसांवली पहुंचकर श्री हनुमान लोक का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर वे पांढुर्णा जिले के लिए लगभग 360 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे सिहोरा स्थित रामेश्वर धाम पहुंचेंगे, जहां वे सांसद विवेक बंटी साहू एवं उनके परिवार द्वारा आयोजित शतचंडी यज्ञ में शामिल होंगे और धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता करेंगे। दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा शहर के पुलिस ग्राउंड में आयोजित हितग्राही सम्मेलन में भाग लेंगे। इस दौरान वे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे तथा जुन्नारदेव में निर्मित उड़ान पुल का वर्चुअल लोकार्पण भी करेंगे। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री इस दौरे के दौरान जिले को करोड़ों रुपए की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा लगभग सात घंटे का रहेगा, जिसमें वे छिंदवाड़ा और सौंसर क्षेत्र में अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। शाम करीब साढ़े पांच बजे वे छिंदवाड़ा से भोपाल के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर है तथा कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

दुर्गा मंदिर बाजार में चैत्र नवरात्र पर जगमगा रहे मनोकामना ज्योति कलश

दमुआ। श्री श्री दुर्गा मंदिर दमुआ बाजार में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चैत्र नव रात्र पर भक्त श्रद्धालुओ की ओर से 51 मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किये गये जहां माता रानी की पूजन अराधना उपासाना अनवरत जारी है। अष्टमी एवं नवमी के कार्यक्रम दिनांक 27 मार्च दिन शुक्रवार को सुबह 10 बजे से सुन्दरकांड पाठ का आयोजन होगा एवं दोप. 12 बजे से श्री रामजन्मोत्सव का कार्यक्रम मनाया जावेगा। और हवन पूजन कार्यक्रम के पश्चात प्रसाद वितरण किया जावेगा। और दिनांक 28 मार्च दिन शनिवार को सुबह 9 बजे भव्य कलश जवारे विर्सजन शोभा यात्रा निकाली जावेगी जहां भारी संख्या में भक्तगण विर्सजन यात्रा में सामिल होकर कलश जवारे कन्हान नदी दमुआ मे धूमधाम से विर्सजन करेंगे तथा पूण्य लाभ अर्जित करेंगें।

किसान कल्याण वर्ष में समृद्धि की नई इबारत

नवाचार और तकनीक से बदल रही छिंदवाड़ा के किसानों की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष 2026 को "किसान कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष का मूल उद्देश्य किसानों की आय में स्थायी वृद्धि, कृषि लागत में कमी, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देना है। शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

कृषि, उद्यानिकी, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और नवाचार आधारित तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन से अब इसका सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। छिंदवाड़ा जिले के प्रगतिशील किसान शासन की योजनाओं का लाभ लेकर परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए आधुनिक और समेकित खेती की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। इनके प्रयास न केवल उनकी आय में वृद्धि कर रहे हैं, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन रहे हैं।

बंजर जमीन से समृद्धि तक : पूरनलाल इनवाती की समेकित खेती की मिसाल- हर्रई विकासखंड के ग्राम भुमका के जनजातीय किसान श्री पूरनलाल इनवाती ने अपनी 6 एकड़ पथरीली एवं बंजर भूमि को समेकित कृषि प्रणाली अपनाकर उपजाऊ खेत में परिवर्तित कर दिया है। खेत में तालाब और कूप रिचार्ज पिट के निर्माण से जलस्तर बढ़ा और अब वर्षभर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। खेत तालाब के माध्यम से उन्होंने मछली पालन के साथ-साथ जिले में पहली बार मखाने की खेती का नवाचार भी किया है। प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन को एक साथ जोड़कर वे अब सालाना लगभग 11.45 लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं।

" पानी को सहेजा तो खुशहाली खेतों तक आ गई ,तालाब बना तो मेहनत भी समृद्धि में बदल गई ।"

आधुनिक तकनीक से आत्मनिर्भरता

युवा किसान अंकित पवार की सफलता कहानी- परासिया विकासखंड के ग्राम शीलादेही के युवा किसान श्री अंकित पवार ने आधुनिक कृषि तकनीकों और उद्यानिकी फसलों के माध्यम से अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पॉलीहाउस, ड्रिप सिंचाई और उन्नत बीजों के उपयोग से वे अब लाखों रुपये का शुद्ध लाभ कमा रहे हैं। वर्षभर विभिन्न फसलों का उत्पादन लेकर उन्होंने खेती को बहुआयामी बनाया है।

शासकीय योजनाओं का मिला संबल, किसानों को मिली नई दिशा

जिले के इन किसानों की सफलता में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, आत्मा परियोजना, राष्ट्रीय सूक्ष्म सिंचाई मिशन और प्राकृतिक खेती से जुड़े कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन योजनाओं के माध्यम से किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, संसाधन और प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है, जिससे वे आधुनिक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं और अपनी आय में निरंतर वृद्धि कर रहे हैं।

प्राकृतिक खेती से घटी लागत, बढ़ी आयः राजेन्द्र धारे का सफल प्रयोग

मोहखेड़ विकासखंड के ग्राम तंसरामाल के किसान श्री राजेन्द्र धारे ने प्राकृतिक खेती अपनाकर लागत में कमी और आय में वृद्धि का सफल उदाहरण प्रस्तुत किया है। पहले जहां रासायनिक खेती में प्रति एकड़ 80 हजार से 1 लाख रुपये तक लागत आती थी, वहीं अब प्राकृतिक पद्धति अपनाने से यह लागत घटकर लगभग 20 हजार रुपये रह गई है। मिर्च और चने की इंटरक्रॉपिंग के माध्यम से उन्होंने एक ही एकड़ में 2 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की है।

जीरो टिलेज से नई दिशा

किशोर पवार बने जलवायु अनुकूल खेती के प्रेरक - मोहखेड़ विकासखंड के ग्राम कामठी के किसान श्री किशोर पवार ने जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती को नई दिशा दी है। उन्होंने पराली नहीं जलाई और जीरो टिलेज तकनीक से बिना जुताई किए गेहूँ की बुवाई की। इससे लागत में कमी आई, पानी की बचत हुई और मिट्टी की उर्वरता में सुधार हुआ। समय पर बुवाई के कारण उत्पादन भी बेहतर प्राप्त हुआ। उनकी सफलता से प्रेरित होकर क्षेत्र के अन्य किसान भी आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

पथरीली जमीन पर उन्नत खेती

कैलाश पवार ने जी-9 केले से किया नवाचार- मोहखेड़ विकासखंड के ग्राम भुताई के किसान श्री कैलाश पवार ने पथरीली भूमि में जी-9 केले की खेती कर नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 18 एकड़ क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई के साथ की गई इस खेती से उन्हें प्रति एकड़ ढाई से तीन लाख रुपये तक लाभ मिलने की संभावना है। इसके साथ ही उन्होंने स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और गोल्डन बेरी जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को अपनाकर खेती को लाभकारी व्यवसाय में परिवर्तित किया है।

ब्लाक महिला काँग्रेस ने मनाया चैत्र नव रात्रि पर्व

परासिया। ब्लाक महिला काँग्रेस परासिया के तत्वाधान में नव रात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया । महिलाएं लाल भेषभूषा में उपस्थित हुई । माता रानी की पूजा अर्चना कर चुनरी एवं सिंगार भेंट किये गए । आरती की गई । इसके पश्चात महिलाओं ने गरवा नृत्य किया । कुसरी दौड़ प्रतियोगिता हुई । जिसमें प्रथम स्थान सृष्टि वर्मा एवं आफरीन खान को दिया गया । वळून फोड़ प्रतियोगिता हुई । जिसमें विजेता महिलाओं को पुरुष्कार से सम्मानित किया गया ।उपस्थित सभी महिलाओं को सिंगार सामग्री एवं उपहार देकर स्वल्पाहार कराया गया । अन्य प्रतियोगिता सम्पन्न हुई । सभी को पुरुस्कार से सम्मानित किया गया । महिलाओं ने देवी गीत प्रस्तुत किये । कार्यक्रम में श्रीमती दुर्गा इवनाती श्रीमती प्रभा पाल । श्रीमती मंजीत कौर उर्मिला रजक प्रतिमा बेस सुनीता यादव वन्दना चौरसिया किरण चौरसिया ललिता डेहरिया अर्चना जवारे रेशमा खान पुष्पलता वंश अनन्या सराठे श्रद्धया सराठे उषा नाग लक्ष्मी डेहरिया विनीता श्रीवास्तव राजकुमारी चौहान आफरीन खान सीमा धुर्वे आरती बुनकर ऋतु सोनी इलमास परवीन बबिता वर्मा मालती उइके ज्ञाना डेहरिया संतोषी विश्वकर्मा पुष्पा सोनी द्रौपती यादव आशा मर्सकोले संगीता कहार मानवती साहू अनिता भलावी सृष्टि वर्मा आशा वर्मा भारती यादव शहजादी बेगम उपस्थित थी । कार्यक्रम का आयोजन एवं आभार व्यक्त ब्लाक अध्यक्ष अंजली श्रीवास्तव ने किया ।

नपं कर्मियों ने नशा नहीं करने की खाई कसम

बड़कुही / परासिया :- नगर पंचायत बड़कुही के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने नशा नहीं करने की कसम खाई है । पंचायत कार्यालय में बुधवार को नशा मुक्ति पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें निकाय के सभी कर्मचारियों को नाशमुक्ती की शपथ दिलाई गई । जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष भारत डेहरिया एवं निकाय के मुख्य नगर पालिका अधिकारी रंजीत अहाके तथा समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे ।

हर्ष तिवारी बने गौ रक्षा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उप संरक्षक

परासिया :- संत समागम संतरक्षा संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए हर्ष तिवारी को गौ रक्षा प्रकोष्ठ का 'राष्ट्रीय उप संरक्षक' मनोनीत किया गया है । यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय उप उपाध्यक्ष आचार्य मुक्तानंद शास्त्री महाराज की विशेष अनुशंसा पर की गई है ।हर्ष तिवारी की इस नियुक्ति पर संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं । संगठन के नेतृत्व ने आशा व्यक्त की है , कि श्री तिवारी के जुड़ने से गौ रक्षा एवं संतरक्षा के कार्यों को नई गति मिलेगी और संगठन का आधार और अधिक मजबूत होगा । दायित्व और अपेक्षाएँ:अपनी नियुक्ति के उपरांत हर्ष तिवारी को आगामी कार्ययोजना हेतु दिशा - निर्देश जारी किए गए हैं :-कार्यकारिणी गठन : श्री तिवारी को जल्द से जल्द 11 सदस्यीय अपनी कार्यकारिणी का गठन करने का दायित्व सौंपा गया है । जन - जागरण :- संगठन के 11 सूत्री कार्यक्रमों को जन - जन तक पहुँचाने और संगठन परिवार को धरातल पर सशक्त बनाने का आह्वान किया गया है ।समर्पण एवं निष्ठा: संगठन के संविधान के प्रति पूर्ण निष्ठा रखते हुए, संतों के सहयोग एवं संगठन के कार्यों हेतु तन, मन और धन से तत्पर रहने की अपेक्षा की गई है।संगठन परिवार के सभी पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है , कि हर्ष तिवारी अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संत समागम संतरक्षा संगठन के उद्देश्यों को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे ।

दमुआ में पूर्व विधायक स्व. झनक लाल ठाकुर की स्मृति में विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित

जुन्नारदेव/दमुआः पूर्व विधायक स्वर्गीय झनक लाल ठाकुर जी की स्मृति में सोमवार को दमुआ में एक विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। भाजपा नेता सूरज चौधरी द्वारा आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में दूर-दराज के क्षेत्रों से आए ग्रामीणों और मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया।शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों के आंखों की जांच की गई और उन्हें निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। जांच के दौरान मोतियाबिंद के लिए चयनित मरीजों को ऑपरेशन हेतु अस्पताल रवाना किया गया।इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रत्याशी आशीष ठाकुर, मोहन पाल (सदस्य, अजा-अजजा अत्याचार निवारण समिति), पूर्व महामंत्री सौरभ शिवहरे, पूर्व मंडल अध्यक्ष यशवंत पवार, मनोज दावंडे, दीनू साहू, प्रवीण खूंगर, आलोक श्रीवास्तव, संदीप मिश्रा, संतोष वरवड़े, मिक्की सिसोदिया, बिट्टू चौकीकर, राज बहादुर, पूर्व पार्षद शंकर राव दावंडे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

ई विकास प्रणाली और नरवाई प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिछुआ

ई-विकास प्रणाली और नरवाई (फसल अवशेष) प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिछुआ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में संबंधित विभागों के अधिकारियों, कृषि विशेषज्ञों और किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को ई-विकास प्रणाली के उपयोग, उसकी उपयोगिता तथा डिजिटल माध्यम से कृषि योजनाओं के लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।नरवाई प्रबंधन सत्र में विशेषज्ञों ने फसल अवशेष जलाने से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान, मिट्टी की उर्वरता पर इसके दुष्प्रभाव तथा वैकल्पिक प्रबंधन तकनीकों के बारे में जागरूक किया। किसानों को हैप्पी सीडर, सुपर एसएमएस और अन्य कृषि यंत्रों के उपयोग के माध्यम से नरवाई के सुरक्षित और लाभकारी प्रबंधन के उपाय बताए गए।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और कृषि को अधिक टिकाऊ बनाना था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और संबंधित विषयों पर प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया।इस दौरान मुख्य रूप से एस डी ओ नीलकंठ पटवारी,तहसीलदार ज्योति ढोके,सी एस अवस्थी,वरिष्ठ कृषि अधिकारी बिछुआ अरविंद जावरे समेत

आधुनिकता के दौर में लोक कला बनी जागरूकता का सहारा

कठपुतली नाटक के जरिए चल रहा जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

नगरवासियों को साफ-सफाई, स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए नगर परिषद कटंगी ने अनूठी पहल अपनाई है। आधुनिकता के इस दौर में जहां इंटरनेट, टेलीविजन और मोबाइल फोन के जरिए चंद मिनट में कोई भी बात आसानी से पहुंचाई जा सकती है। वहां नगर परिषद ने प्राचीन लोक कला का सहारा लेकर लोगों को जागरूक करने का अनूठा प्रयास किया है। जिससे ना सिर्फ लोगों को मनोरंजन हो रहा और बल्कि इससे काफी हद तक फायदा मिलने का पूर्वानुमान भी लगाया गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधेश्याम चौधरी के नेतृत्व में कठपुतली के नाटक के माध्यम से लोगों को जल गंगा संवर्धन अभियान तीसरे चरण में सूखे कुओं, प्रदूषित नदियों और पानी की बर्बादी के दृश्यों को दिखाकर नागरिकों को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और नदियों की स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इसके साथ ही सूखा और गीला कचरा को अलग-अलग रखने की सलाह दी जा रही है। बुधवार 25 मार्च को लोक कलाकारों ने नगर के वार्ड क्रमांक 12 और 13 के चौक-चौराहों पर कठपुतली के नाटक के जरिए लोगों को जागरूक करते जन-जन को स्वच्छता जागरूकता और जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए गीले और सूखे कचरे के सही प्रबंधन की जानकारी दी। छोटे-छोटे बच्चे कठपुतली के खेल को देखकर रोमांचित हो उठे।

म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड किरनापुर में हुआ आयोजन

किरनापुर। 25 मार्च 2026 को जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती रुचिका बेस मैडम के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम केशा में कला गोटा मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान बैठक आयोजित कि गई जिसमे ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यो एवम ग्रामीण जन उपस्थित थे इन सभी को जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गई एवम मंदिर परिषद की सफाई की गई जिसमें नवांकुर संस्था केशा अध्यक्ष महेश पटले मैटर्स निकास येडे cmcldp छात्र छात्रा का पुनः योगदान रहा।

सड़क निर्माण, शुद्ध पेयजल व वाहन पार्किंग की मांग, एसडीएम बोले- जल्द होगा सुधार

लांजी तहसील में अव्यवस्थाओं पर अधिवक्ताओं का हल्ला, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज लांजी।

तहसील कार्यालय परिसर में व्याप्त अव्यवस्थाओं, सड़क व शुद्ध पेयजल की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ता संघ के सचिव अरूण टाडेकर ने जानकारी में बताया कि यहां परिसर में तहसील कार्यालय के अलावा एसडीएम कार्यालय, रजिस्टार कार्यालय, लोक सेवा केन्द्र भी है। यहां प्रतिदिन हजारों लोग अपने कार्यों से यहां पहुंचते हैं, किन्तु यहां परिसर में बनी रोड़ बहुत पुरानी होने के कारण उखड़ गई है एवं उबड़-खाबड़ हो गई है जिससे हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। यहां पहुंचने वाले छोटे चौपहिया वाहनों के इंजन रोड़ से टकराते रहते हैं। जिसके चलते परिसर में बने मार्ग का पुनः निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। इसके अलावा यहां पहुंचने वाले लोगों द्वारा वाहनों को अस्त-व्यस्त खडे. कर दिया जाता है, जिससे भी लोगों को असुविधा होती है, यहां वाहनों को खडे. करने हेतु चिन्हांकित कर नियत स्थान बनाया जाएं, जहां लोग वाहन खड़े किए जा सके। यहां परिसर के मुख्य द्वार पर लगा गेट टूट गया है जो बंद नहीं उसे ठीक किया जाए तथा परिसर की बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाए। अधिवक्ताओं ने अपनी प्रमुख मांगों में मुख्य रूप से मांग की कि वर्तमान गर्मी के मौसम को देखते हुए परिसर में प्याऊ की व्यवस्था की जाएं। साथ ही परिसर में लगे वाटर कूलर को ठीक कर प्रारंभ कराया जाएं। अधिवक्ता संघ द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष चितरंजन मचिया, जे पी खानोरकर, अरूण टांडेकर, नीलकंठ भटेरे, रवि कुमार तिड़के, शशिप्रभा श्रीवास्तव, जितेन्द्र यादव, सुखराम आसटकर, दिनेश कलपुरिया, निलोफर खान, संजय घोरमारे, नरेन्द्र नगपुरे, टी के रणदिवे, वी आर सोनवाने आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एसडीएम अधिवक्ताओं द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने पर एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने कहा कि जिन मांगों के संबंध में ध्यान आकर्षित कराया है उन सभी मांगों के निराकरण के लिए मेरे द्वारा प्रयास कर संबंधित विभाग के माध्यम से ठीक कराया जाएगा। वाहनों को व्यवस्थित खडे.किए जाने एवं पीने के पानी की व्यवस्था शीघ्र ही कर दी जाएगी।

वारासिवनी के शास्त्री पेट्रोल पंप में स्टॉक समाप्त, जिला प्रशासन उतरा मैदान में, पेट्रोल पंपों पर अधिकारी कर रहे निगरानी

पेट्रोल-डीजल की कमी की खबर से पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। इजराईल-अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों के बीच पेट्रोलियम पदार्थो के देश में आने की परेशानियों के बीच अब पेट्रोल पंपों में ताले लटकने प्रारंभ हो गए है। वहीं पेट्रोल डीजल की कमी की आशंका से आम नागरिकों में हडक़ंप की स्थिति बनी हुई है और वह अपने वाहनों में पेट्रोल डीजल भरवाने के लिए पेट्रोल पंपों पर भारी संख्या में एकत्रित हो रहे है। जिससे पेट्रोल पंपों में वाहनों की कतार दिखाई दे रही है।

नागपूर के पेट्रोल पंपों में स्टॉक खत्म होने की सूचना सोशल मीडिया व अखबारों में आने के बाद स्थिति हुई बदतरः एक ओर केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन लगातार नागरिकों को आश्वासन दे रहे है कि पेट्रोलियम पदार्थो की कोई कमी नहीं है और किसी भी प्रकार की अफवाह व बहकावे में नहीं आये। वहीं स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन का अमला मंगलवार रात्रि से ही मैदान में उतर कर स्थिति को सम्हालने का प्रयास कर रहा है। लेकिन दूसरी ओर नागपूर जैसे महानगर में पेट्रोलिय पदार्थो की कमी से पेट्रोल पंपो में ताले लग जाने की खबरों के मंगलवार की रात्रि में सोशल मीडिया में फैलने और बुधवार को अखबारों में प्रकाशन के बाद वाहन मालिकों में हडक़ंप की स्थिति देखने में आ रही है।

मंगलवार की रात्रि में खैरलॉजी व भौरगढ़ के पेट्रोल पंपों में पेट्रोलियम पदार्थ खत्म हो जाने की खबर के बाद पुलिस थाना खैरलॉजी के बाजू में स्थित पेट्रोल पंप में रात्रि में ही वाहनों की भारी भीड़ लग गई। वहीं इस खबर के वारासिवनी पहुँचने के बाद जय स्तम्भ चौक पर स्थित शास्त्री पेट्रोल पंप में रात्रि 11 बजे से वाहन चालकों की भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं बालाघाट जिला मुख्यालय में रात्रि में पेट्रोल पंपों में एकत्रित हुई भीड़ को समझाने और सम्हालने के लिए खुद पुलिस अधीक्षक बालाघाट को अपने अधीनस्थों के साथ मोर्चा सम्हालना पड़ा था।

कलेक्टर, एस पी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह नहीं फैलाने की अपील कीः इन खबरों की जानकारी मिलने के बाद रात्रि में ही कलेक्टर बालाघाट, पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों तक संदेश पहुँचाया कि पेट्रोलियम पदार्थो की देश व जिले में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। इसीलिए लोग परेशान ना हो और बेवजह की अफवाहों पर कोई ध्यान नहीं दे। लेकिन सुबह होते होते वारासिवनी नगर में शास्त्री पेट्रोल पंप पेट्रोलियम पदार्थो की कमी के कारण बंद हो गया। वहीं रामपायली मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप, बिटोड़ी, रामपायली सहित अन्य पेट्रोल पंपों में वाहनों की भारी भीड़ नजर आने लगी। जिस पर रामपायली मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के संचालक ने बाईक सवारों को सिर्फ 100 रुपये का पेट्रोल देने का नियम बना दिया। पेट्रोल पंप द्वारा 100 रुपये से अधिक का पेट्रोल नहीं देने के कारण उपभोक्ताओं में बदहवासी का आलम देखा गया।

इस पूरे मामले में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अभिषेक चौधरी ने कहा कि सोशल मीडिया,वाट्स एप, इंस्टाग्राम के माध्यम से कुछ चैनालों पर यह अफवाह फैली है कि वारासिवनी और बालाघाट जिले में पेट्रोलियम पदार्थो की कमी हो गई है। मध्यप्रदेश शासन, कलेक्टर व एस पी साहब के स्पष्ट निर्देश है कि पेट्रोल या अन्य पेट्रोलियम पदार्थो की कोई कमी नहीं है। वारासिवनी अनुविभाग के चारों थानों के अधिकारी-कर्मचारी पेट्रोल पंपों पर जाकर नागरिकों को समझाईस दे रहे है कि पेट्रोलियम पदार्थो की कोई कमी नहीं है। अफवाह के चलते लोग अपने वाहनों को फुलटेंक करवा रहे है, इससे एक कृत्रिम कमी उत्पन्न हो सकती है। क्योंकि जो पेट्रोल पंप वाले 3-4 दिनों में टेंकर बुलवाते है, उन्हें 2 दिनों में टेंकर बुलवाने पड़ेगे। इससे कमी उत्पन्न हो जायेगी। इसीलिए उपभोक्ता सामान्य जरुरत के हिसाब से पेट्रोल अपने वाहनों में भरवाये।

श्री चौधरी ने बताया कि पेट्रोल पंपों को स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि किसी को भी पेट्रोल देने से मना नहीं करे। लेकिन पेट्रोलियम प्रदान करने के नियमों का पालन करते हुए जरीकेन या बोतलों में पेट्रोल या अन्य पदार्थ प्रदान नहीं करेगे। सभी थाना प्रभारियों का निर्देशति किया गया है कि किसी भी प्रकार की कृत्रिम कमी की स्थिति ना होने दे और आवश्यकतानुसार ही उपभोक्ताओं को पेट्रोलियम पदार्थ दिलवाने की व्यवस्था करे। हमारा और हमारे स्टाफ का प्रयास है कि किसी भी स्थिति में किसी भी प्रकार पेट्रोलियम पदार्थो की कमी ना होने पाये।

युवाओं ने मृत बंदर के बच्चे को दी सम्मानजनक बिदाई

हरिभूमि न्यूज लांजी।

क्षेत्र के ग्राम सावरी खुर्द में 25 मार्च को कुछ युवाओं ने इंसानियत की परिभाषा को और गहरा कर दिया। गांव के कुछ युवाओं ने उस समय करुणा और संवेदना का परिचय दिया जब एक बंदर के बच्चे की मृत्यु हो गई। भेलसिंग फुल्हारे ने अपने साथियों के साथ मिलकर मृत बंदर के बच्चे का पूजन-अर्चन किया और मिट्टी में दफनाकर उसे सम्मानजनक विदाई दी। इस पुण्य कार्य में राजेश लिल्हारे, तोमेश्वर लिल्हारे, नरेंद्र फुल्हारे, शुभम लिल्हारे, रोहित फुल्हारे और सुखदेव ने भी हृदय से सहयोग दिया। गांव के लोगों ने इस कार्य को देखकर युवाओं की सराहना की और इसे सच्ची मानवता की मिसाल बताया। भेलसिंग फुल्हारे ने सभी से अपील की है कि गर्मी के मौसम में यदि बंदर या अन्य जीव गांव में आते हैं तो उन्हें भगाने के बजाय दाना-पानी दें। सावरी खुर्द के युवाओं ने यह दिखा दिया कि इंसानियत की ज्योति तब और प्रखर होती है जब वह हर प्राणी के जीवन को सम्मान देती है।

खबर संक्षेप

आरिफ मोहम्मद बने RCSS राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। 23 मार्च 2026 RCSS (राष्ट्रीय चालक सेवा संगठन)द्वारा जबलपुर स्थित हेड ऑफिस में शहीद दिवस के अवसर पर दिल्ली , यूपी, महाराष्ट्र, बिहार एवं अन्य जिलों एवं राज्य से आए संगठन के अधिकारी द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के सिवनी जिले से आए आरिफ मोहम्मद को संगठन द्वारा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस दौरान उन्हें विधिवत नियुक्ति प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र सौंपा गया। उनकी नियुक्ति को संगठन के विस्तार एवं मीडिया क्षेत्र में मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न जिलों एवं अन्य राज्यों से संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से संतकुमार बंजारा (राष्ट्रीय संपादक), रघुवंश प्रसाद विश्वकर्मा (संस्थापक), रामकुमार मलिक (राष्ट्रीय अध्यक्ष), रीया कुमारी, लालजी लोधी, अभय सिंह ठाकुर, जुगराज सिंह ठाकुर, रामसिंह बंजारा, नेपाल राठौर, संतोष यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में वक्ताओं ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को एकजुट होकर अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने एवं ड्राइवर साथियों के अधिकारों के लिए संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

डोकररॉंजी की खैर माई माता बनी आस्था का केंद्र

नवरात्र में उमड़ रही श्रद्धालुओं की- जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत डोकररॉंजी इन दिनों धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां विराजमान खैर माई माता का मंदिर दूर-दूर से श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। स्थानीय मान्यता के अनुसार खैर माई माता की प्रतिमा स्वयं भूमि से प्रकट हुई थी, जिसके चलते इस स्थान की विशेष धार्मिक महत्ता है। ग्रामीणों के अनुसार पिछले लगभग 50 वर्षों से नवरात्रि के दौरान यहां जवारे बोने और मनोकामना कलश स्थापना की परंपरा लगातार निभाई जा रही है। इस आयोजन में पूरे गांव के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिलता है। साज-सज्जा इतनी आकर्षक होती है कि हर आने वाला श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो जाता है। आयोजन के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं।

ग्रामवासियों के सहयोग से यहां एक भव्य मंदिर का निर्माण भी कराया गया है। मंदिर परिसर में खैर माई माता के साथ-साथ भैरव देव, पटेल बाबा, मैली माई और हनुमान जी की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं, जिससे यह स्थल एक संपूर्ण धार्मिक धाम का रूप ले चुका है।

ग्रामवासियों की आस्था, एकता और सहयोग से डोकररॉंजी का यह मंदिर क्षेत्र में श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक बन गया है।

ग्राम पंचायत खमरिया में घटिया निर्माण कार्य बनते ही बेकार हुई पुलिया

अब कार्रवाई से ही खुलेगा सच - खमरिया में गूंजा विरोध

सिवनी जिले के विकासखंड धनौरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरिया में हाल ही में निर्मित पुलिया अब विकास नहीं, बल्कि विवाद का केंद्र बन गई है। जिस पुलिया से ग्रामीणों और किसानों को राहत मिलने की उम्मीद थी, वही आज परेशानी और आक्रोश की वजह बन चुकी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ धनौरा। केशव राय

निर्माण के कुछ ही समय बाद पुलिया की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में भारी लापरवाही बरती गई और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते पुलिया उपयोग के लायक भी नहीं बची। हालात इतने खराब हैं कि किसानों को फसल कटाई के इस अहम समय में हार्वेस्टर जैसी मशीनों के आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जनता का सीधा आरोप - भ्रष्टाचार और लापरवाही

जनपद सदस्य लक्ष्मी उईके द्वारा शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक जांच शुरू नहीं होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों ने साफ तौर पर पंचायत से जुड़े जिम्मेदारों - राजेंद्र धुर्वे और सचिव राकेश डेहरिया - पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। अब दस्तावेजों में छिपा है सच मामले की सच्चाई अब मेजरमेंट बुक (MB) और स्वीकृत एस्टीमेट में सामने आने की उम्मीद है। यदि इन दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच होती है, तो निर्माण में हुई गड़बड़ियों का खुलासा होना तय माना जा रहा है।

प्रशासन की चुप्पी बनी सबसे बड़ा सवाल

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि शिकायत के बाद भी जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है और अब यह मुद्दा जनआंदोलन का रूप लेने लगा है। हरिभूमि समाचार की टीम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वतंत्र जांच शुरू करने का निर्णय लिया है। दस्तावेजों और जमीनी हकीकत की पड़ताल कर सच्चाई सामने लाने की तैयारी की जा रही है।

अब कार्रवाई बेहद जरूरी

खमरिया के ग्रामीणों की निगाहें अब जनपद सीईओ ओंकार सिंह ठाकुर पर टिकी हैं। सवाल सीधा है -

क्या प्रशासन समय रहते जागेगा?

क्या दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी?

या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा? अब कार्रवाई सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है।

शेमरॉक जैक एंड जिल स्कूल का परीक्षा परिणाम शानदार, पांचवी एवं आठवीं के छात्र रहे अव्वल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। स्वर्गीय अभय निगम की कर्मभूमि से संचालित शेमरॉक जैक एंड जिल स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम देकर अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। हाल ही में घोषित बोर्ड परीक्षा परिणामों में कक्षा पांचवी एवं आठवीं के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम गौरवान्वित किया।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने न केवल अच्छे अंक प्राप्त किए, बल्कि अनुशासन और परिश्रम का परिचय देते हुए उत्कृष्टता की मिसाल पेश की। इस सफलता पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

स्कूल संचालिका श्रीमती शेफाली निगम ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। आगे भी विद्यालय इसी तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि सरोक जैक एंड जिल स्कूल में नए सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा आठवीं तक के लिए एडमिशन खुले हैं। अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समय रहते प्रवेश सुनिश्चित करें। विद्यालय की इस उपलब्धि ने क्षेत्र में एक बार फिर उसकी साख को मजबूत किया है और यह साबित किया है कि समर्पित प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अखबार में खबर के बाद कराया बोर, पानी नहीं निकला: पेड़ से रस्सी बांधकर टांगा सूचना पटल, गुणवत्ता पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले की जीवनदायिनी वैनगंगा नदी के उद्गम स्थल पर पर्यटन विभाग द्वारा करीब 3 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से चल रहे निर्माण कार्य में लापरवाही और अनियमितताओं के आरोप लगातार गहराते जा रहे हैं। चार माह से जारी इस कार्य में न तो पारदर्शिता दिखाई दे रही है और न ही गुणवत्ता का पालन होता नजर आ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इतने बड़े बजट के बावजूद निर्माण स्थल पर लंबे समय तक सूचना पटल नहीं लगाया गया। जब इस मामले को लेकर अखबार में खबर प्रकाशित हुई तो आनन-फानन में बोर कराया गया, लेकिन उसमें भी पर्याप्त पानी नहीं निकला। उपयंत्री द्वारा लगभग 2 इंच पानी निकलने और तराई होने की बात कही जा रही है, जबकि मौके की स्थिति इससे अलग बताई जा रही है।

ग्राम पंचायत सचिव विजय राहंगडाले ने स्पष्ट कहा कि बोर गलत स्थान पर किया गया, इसी वजह से पानी नहीं निकला।

सूचना पटल बना मजाक

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सूचना पटल के नाम पर केवल एक बैनर तैयार कर उसे पेड़ में रस्सी से बांधकर लटका दिया गया है। उनका कहना है कि जिले में इस तरह का सूचना पटल आज तक कहीं देखने को नहीं मिला। जहां ग्राम पंचायतों में 1-2 लाख के छोटे कार्यों में भी स्थायी शिलालेख लगाए जाते हैं, वहीं करोड़ों के

इस निर्माण में इस तरह की लापरवाही समझ से परे है।

घटिया निर्माण और सुरक्षा के अभाव

निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पेड़ों के चबूतरों में तराई न होने से सीमेंट झड़ने लगी है, जबकि सीसी सड़क सहित अन्य निर्माण कार्य भी मानकों के अनुरूप नहीं बताए जा रहे। सबसे चिंताजनक स्थिति 7 फीट गहरे कुंड की है, जिसे खुला छोड़ दिया गया है। सुरक्षा के नाम पर केवल हरि नेट से आंशिक रूप से ढकने की कोशिश की गई है, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।

पेटी ठेकेदारी और जिम्मेदारी पर सवाल

ग्रामीणों के मुताबिक, निर्माण कार्य पेटी ठेकेदारी के माध्यम से कराया जा रहा है। पेटी ठेकेदार संदीप मर्सकोले द्वारा कार्य किए जाने की बात सामने आई है, जबकि मुख्य ठेकेदार भोपाल के बताए जा रहे हैं। इससे कार्य की गुणवत्ता और निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों में आक्रोश, जांच की मांग

ग्रामीणों ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि न तो जिम्मेदार अधिकारी मौके पर ध्यान दे रहे हैं और न ही सही जानकारी सार्वजनिक की जा रही है। उन्होंने पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच, गुणवत्ता परीक्षण और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं संत आशिर्वादास जी ने भी कहा कि निर्माण कार्य "भगवान भरोसे" चल रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी से कार्य की जांच कराकर गुणवत्ता के साथ निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वैनगंगा जैसी पवित्र और जीवनदायिनी नदी के उद्गम स्थल पर इस तरह की अनियमितताएं न केवल सरकारी धन की बर्बादी हैं, बल्कि क्षेत्र के धार्मिक और पर्यटन महत्व को भी प्रभावित कर रही हैं।

मां खैरापति मंदिर में 45 वर्षों से अखंडित परंपरा

65 कलश स्थापना के साथ भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नगर के मंगलीपेठ स्थित कस्तूरबा वार्ड में विराजमान मां खैरापति मंदिर इन दिनों गहन आस्था, श्रद्धा और धार्मिक उत्साह का केंद्र बना हुआ है। बीते लगभग 45 वर्षों से निरंतर चली आ रही इस गौरवशाली परंपरा के तहत इस वर्ष भी पूरे विधि-विधान, मंत्रोच्चार और भक्तिभाव के साथ 21 मार्च को 65 कलश एवं एक विशेष थप्पर कलश की स्थापना की गई। कलश स्थापना के साथ ही मंदिर परिसर और आसपास का पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है।

कलश स्थापना के बाद से प्रतिदिन सुबह-शाम पूजा-अर्चना, आरती, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला निरंतर जारी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर मां खैरापति के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। पूरे वार्ड में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण का अनुभव किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता भी मजबूत हो रही है। आयोजन के अंतर्गत 28 मार्च को विशेष हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु, भक्तगण एवं मोहल्लेवासी बड़ी संख्या में शामिल होकर यज्ञ में आहुति देंगे। यह हवन कार्यक्रम आयोजन का महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र रहेगा, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की जाएगी।

कार्यक्रम का भव्य समापन 29 मार्च को कलश विसर्जन के साथ होगा। इस अवसर पर आकर्षक एवं भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सजीव धार्मिक माहौल, रंग-बिरंगी लाइटिंग और आधुनिक डिस्को लाइट की सजावट के बीच श्रद्धालु पूरे उत्साह और उल्लास के साथ शामिल होंगे। ढोल-नगाड़ों, भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण गूंज उठेगा, जिससे पूरे नगर में उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिलेगा। कलश विसर्जन के पश्चात प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस भंडारे में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था श्रद्धा और सेवा भाव के साथ की जाती है, जिससे सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी प्रसारित होता है। इस संपूर्ण धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में कस्तूरबा वार्ड की महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं मंदिर समिति के सदस्यों

की भूमिका अत्यंत सराहनीय रहती है। सभी लोग तन, मन और धन से सहयोग करते हुए इस परंपरा को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही नगर के गणमान्य नागरिकों और आसपास के क्षेत्रवासियों का सहयोग भी आयोजन को भव्यता और गरिमा प्रदान करता है। लगातार 45 वर्षों से अनुशासन, आस्था और सामूहिक सहभागिता के साथ आयोजित हो रहा यह धार्मिक कार्यक्रम न केवल सिवनी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को भी परंपराओं से जोड़ते हुए एक नई प्रेरणा और कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल (स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश) द्वारा कक्षा 5वीं एवं 8वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस वर्ष जिले में दोनों कक्षाओं का परिणाम विगत वर्ष की तुलना में बेहतर रहा है।

सत्र 2025-26 में कक्षा 5वीं के लिए कुल 21,750 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 19,938 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। वहीं कक्षा 8वीं में 19,371 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 17,134 विद्यार्थी सफल रहे। कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम 91.67% तथा कक्षा 8वीं का परिणाम 88.45% दर्ज किया गया। यह पिछले सत्र की तुलना में क्रमशः 1.5% और 4% की वृद्धि हुई है, जो जिले के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षक www. rskmp. in/result. aspx के माध्यम से अपना रोल नंबर या समग्र आई दर्ज कर परिणाम देख सकते हैं। इसके साथ ही संस्था प्रमुख भी इसी पोर्टल पर अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम देख सकेंगे। जिले के बेहतर परिणाम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों की मेहनत का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

छपारा तहसील परिसर में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

गर्मी में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

नगर के सिंचाई कॉलोनी के नजदीक स्थित तहसील कार्यालय की स्थापना के लगभग 13 वर्ष बीत गए किंतु मूलभूत सुविधाओं का आज भी अभाव है जिसे लेकर शासन प्रशासन की ओर से गंभीरतापूर्वक समस्या का समाधान नहीं किया गया। ज्ञात हो कि छपारा तहसील अंतर्गत क्षेत्र के लगभग 150 ग्राम आते हैं, वहीं प्रतिदिन अपने राजस्व के कामों को लेकर बड़ी संख्या में लोग कार्यालय में पहुंचते हैं, जहां अपने कामों को लेकर तहसील परिसर में दिन दिन भर लोग यहां रुकते हैं, वहीं सार्वजनिक रूप से पेयजल, सार्वजनिक प्रसाधन सुविधा सहित बैठक व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं के नहीं होने से लोग परेशान होते रहते हैं, जिसको लेकर छपारा एडवोकेट संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जानकारी बताया कि अनेकों बार जनप्रतिनिधियों से लेकर तहसील कार्यालय में उक्त सुविधाओं को लेकर पत्राचार किया जा चूका है किंतु समस्या समाधान नहीं हुआ है सबसे ज्यादा महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इनका कहना है

तहसील परिसर में पेयजल को लेकर जल्द आर ओ लगवाया जाएगा साथ ही अन्य सुविधाओं को संज्ञान लेकर भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे,
सौरभ मरावी, तहसीलदार छपारा

लक्ष्मण सिंह अहिरवार, अधिवक्ता
जबसे यहां पर तहसील भवन का निर्माण हुआ है तभी मूलभूत समस्याओं को लेकर पक्षकार परेशान हो रहे विशेषकर पेयजल को लेकर तहसीलदार महोदय से चर्चा की गई साथ ही स्थानीय प्रशासन से भी मौखिक और पत्राचार के माध्यम से भी बात की गई किंतु समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सुनील रुनिझा,अधिवक्ता संघ अध्यक्ष - छपारा
पेयजल और सार्वजनिक प्रसाधन की मांग को लेकर हमने सांसद, विधायक एवं स्थानीय प्रशासन से भी पत्र लिख कर मांग कर चुके है इसके बाद भी यह समस्या जस की तस बनी हुई हैं, वहीं एक बार इस परिसर में शासकीय नलकूप खनन भी किया गया किंतु वह पूरा सूखा गया, वहीं अब स्थानीय प्रशासन से ही उम्मीद है कि वह नल कनेक्शन देकर स्थाई हल कर सकती हैं। जिसको लेकर हमारी मांग आगे भी जारी रहेगी।

अजीत कुमार जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता
पेयजल की समस्या को लेकर कई बार मांग करने पर जब पूरी नहीं हुई तो मेरे द्वारा व्यक्तिगत रूप से दो से तीन पानी के कंटेनर प्रतिदिन बुलवाए जाते है जिसका उपयोग सभी लोग करते। साथ हमारे अधिवक्ता संघ द्वारा जब तक समस्या का स्थाई हल नहीं होता अपनी मांग जारी रखेंगे।

आनंद नारायण पाठक, अधिवक्ता पेयजल और सार्वजनिक प्रसाधन की समस्या को लेकर हम सभी अधिवक्ता संघ के सदस्यो ने तहसीलदार महोदय से लेकर स्थानीय प्रशासन से कई बार मांग की जा चुकी हैं। वहीं यदि स्थानीय प्रशासन द्वारा तहसील कार्यालय के समाने सड़क के पार जो पेयजल सप्लाई की लाइन गई है उससे यदि कनेक्शन दिया जाता हैं तो अवश्य समस्या का स्थाई हल हो जाएगा।

विशाल मशाल यात्रा का आयोजन किया गया

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सिवनी नगर इकाई द्वारा 24मार्च को शहीद दिवस के अवसर पर एक विशाल मशाल यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं युवाओं ने भाग लेकर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मशाल यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें हाथों में मशाल लिए युवाओं ने देशभक्ति के नारों के साथ वातावरण को गुंजायमान किया। इस दौरान "वीरों का बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान" जैसे नारों के साथ शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना तथा शहीदों के बलिदान को स्मरण कराना था। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

एमपीटास पोर्टल पर पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के आवेदन 31 मार्च तक

हरिभूमि न्यूज सिवनी। सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण सिवनी ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत **MP TaaS Portal** पर शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नवीन आवेदन एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पात्र विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि से पहले अपना आवेदन पूर्ण कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें, ताकि उन्हें छात्रवृत्ति योजना का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

सहकारी समिति में पहुंचे अपर आयुक्त

हरिभूमि न्यूज सिवनी। अपर आयुक्त सहकारिता विभाग मुख्यालय भोपाल से अंबरीश वैद्य के द्वारा सेवा सहकारी समिति बाँकी का निरीक्षण किया गया । साथ ही शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। अपर आयुक्त दो दिन के प्रवास पर सिवनी आए थे। निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधक एस के राजपूत एवं समिति बंडोल प्रबंधक संदीप साहू समिति वीसावाडी से प्रबंधक रितेश राय एवं तीनों समितियो के अधिकारीकर्मचारीउपस्थित रहे।

कृषि मेले का हुआ सफल आयोजन

बड़ी संख्या में कृषकों ने की सहभागिता

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले में तिलहन तथा मोटे अनाज के उत्पादन तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बुधवार 25 मार्च को राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम परिसर में कृषि मेले का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन एवं राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत आयोजित कृषि मेले में किसानों को प्राकृतिक खेती, पराली प्रबंधन, फार्मर रजिस्ट्री, ई-विकास प्रणाली तथा नवीन कृषि तकनीकी उपकरणों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित कर पूर्व सांसद डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने कहा कि हमें यह विचार करना होगा कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए क्या छोड़कर जाएंगे। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं दवाओं के अत्यधिक उपयोग से खाद्यान्न एवं सब्जियां विषैली होती जा रही हैं, जिससे अनेक बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिक पानी वाली फसलों के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने एवं नवीन तकनीकों को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने अपने उद्बोधन में किसानों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान करते हुए कहा कि खेती में नई तकनीकों और नवाचार को अपनाकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि मानव जीवन का अभिन्न अंग है। उन्होंने बताया कि एक समय देश को अन्न के लिए अन्य देशों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिसके बाद उत्पादन बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाए गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आवश्यकता है कि उत्पादन के साथ-साथ प्रकृति और मानव स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ा जाए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने प्राकृतिक खेती के लाभ एवं फसल विविधता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। मेले में आयोजित परिचर्चा में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम स्थल पर कृषि विभाग सहित अन्य विभागों एवं निजी कंपनियों द्वारा स्टॉल लगाकर उन्नत बीज, उर्वरक, पौध संरक्षण एवं आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही जैविक एवं प्राकृतिक हाट बाजार भी आकर्षण का केंद्र रहा।

अफवाहों में न आए; पंपों पर पुलिस-प्रशासन तैनात

पेट्रोल के बाद गैस के लिए उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के बाद पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है। मंगलवार रात पेट्रोल पंपों पर भीड़ लगने के बाद, आज बुधवार को गैस एजेंसियों पर भी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थिति ऐसी हो गई कि गैस एजेंसी संचालकों को व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की मदद लेनी पड़ी।

बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर गैस आपूर्ति से संबंधित किसी खबर के बाद लोग बड़ी संख्या में गैस एजेंसियों पर पहुंच गए। इससे एजेंसियों की सामान्य व्यवस्था प्रभावित हुई। गैस एजेंसी संचालक अनीश खान ने स्पष्ट किया कि गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

दूसरी ओर, बुधवार को भी पेट्रोल पंपों पर भीड़ देखी गई। इसे देखते हुए प्रशासनिक और पुलिस अमला पेट्रोल पंपों पर तैनात किया गया है। हट्टा के पेट्रोल पंप पर नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया की मौजूदगी में पेट्रोल वितरित किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

पेट्रोल को लेकर बढ़ती भीड़ के मद्देनजर, प्रशासन ने मौखिक रूप से राशनिंग के आदेश दिए हैं। इसके तहत, कुछ पेट्रोल पंपों पर दो सौ रुपए तो कुछ पर पांच सौ रुपए से अधिक का पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है।

नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों में न आएं और घबराएं नहीं, क्योंकि जिले में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और सभी को पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

कवरेज पर पहुंचे पत्रकारों से वनरक्षक ने की अभद्रता

ट्रेन की चपेट में आया सांभर, मौत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के उत्तर सामान्य वन परिक्षेत्र लामता में बुधवार को एक 3 साल के नर सांभर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 1278 में हुई। रेल विभाग के कर्मचारियों ने सूचना दी, जिसके बाद वन अमला और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

वन्यप्राणी विशेषज्ञ डॉ. बादल पटले ने सांभर का पोस्टमार्टम किया। उन्होंने बताया कि शरीर पर गंभीर चोटें हैं और प्रारंभिक तौर पर मौत ट्रेन की चपेट में आने से मानी जा रही है। हालांकि, मौत के सही कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। सहायक परिक्षेत्र अधिकारी रितु गोस्वामी ने भी घटना की जानकारी की पुष्टि की।

लामता परिक्षेत्र में पिछले तीन महीनों में वन्यप्राणियों की मौत की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले दो तेंदुए (नर और मादा) और दो भालू के शावकों की भी मौत हो चुकी है।

घटना के कवरेज के लिए मौके पर पहुंचे पत्रकारों के साथ वनरक्षक चंद्रशेखर शुक्ला ने अभद्र व्यवहार किया। पत्रकार शत्रुघन ठाकरे ने बताया कि शुक्ला ने उन्हें धक्का दिया और स्थल से हटने के लिए कहा।

इस घटना के बाद पत्रकार संघ, लामता तहसील इकाई ने वन संरक्षक, बालाघाट को लिखित आवेदन देकर वन रक्षक के खिलाफ तत्काल निलंबन और निष्पक्ष जांच की मांग की। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे वन विभाग के खिलाफ उग्र आंदोलन करेंगे।

कनकी में मॉयल लिमिटेड को स्वीकृत तीन खदानें, नियमों के तहत हो रहा रेत खनन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के खनिज साधन विभाग, भोपाल द्वारा जारी विभिन्न आदेशों के तहत मॉयल लिमिटेड (MOIL) भरवेली को जिले में "सेंड फॉर स्टोइंग" (Sand for Stowing) कार्य हेतु स्वीकृत खनिपट्टों में रेत खनन और पुनर्भरण की अनुमति प्रदान की गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार, मायल लिमिटेड भरवेली को ग्राम कनकी, तहसील लालबर्रा में तीन अलग-अलग खदान क्षेत्रों में खनन कार्य की स्वीकृति दी गई है, जहां निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप रेत का उत्खनन किया जा रहा है।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि खनिज विभाग द्वारा जारी आदेश क्रमांक 19 फरवरी 1997, 13 अक्टूबर 2000 एवं 26 नवंबर 2016 के आधार पर इन खदानों के पट्टे स्वीकृत किए गए हैं। इन स्वीकृतियों के तहत ग्राम कनकी स्थित खसरा नंबर 727 में 5.503 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 01 अप्रैल 1997 से 31 मार्च 2047 तक की अवधि निर्धारित है। इसके अतिरिक्त 10.00 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 20 फरवरी 2001 से 19 फरवरी 2051 तक तथा 4.413 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 16 फरवरी 2017 से 15 फरवरी 2027 तक खनन पट्टे की वैधता तय की गई है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इन तीनों खदानों में खनन कार्य प्रारंभ करने से पहले आवश्यक सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया है। इसमें खनन योजना की स्वीकृति, पर्यावरणीय मंजूरी (Environmental Clearance) तथा जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित सम्मतियां शामिल हैं। मायल लिमिटेड को इन सभी आवश्यक अनुमतियों के प्राप्त होने के बाद ही खनन कार्य संचालित करने की अनुमति दी गई है।

खनिज विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि खनन योजना और पर्यावरण स्वीकृति में उल्लेखित सभी शर्तों का पालन करना कंपनी की पूर्ण जिम्मेदारी है। खनन कार्य के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों की सुरक्षा, धूल नियंत्रण तथा स्थानीय पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा। यदि किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके लिए पूरी तरह से मॉयल लिमिटेड जिम्मेदार होगी और उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने भी इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि खनन कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है। संबंधित विभागों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी कार्य शासन के दिशा-निर्देशों और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप ही संचालित हों। प्रशासन का उद्देश्य यह है कि खनिज संसाधनों का उपयोग विकास कार्यों में हो, लेकिन इसके साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और कानून का पालन भी सुनिश्चित किया जाए।

"सेंड फॉर स्टोइंग" प्रक्रिया के तहत खदानों से निकाली गई रेत का उपयोग भूमिगत खनन क्षेत्रों में रिक्त स्थानों को भरने के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया खदानों की संरचनात्मक मजबूती बनाए रखने तथा दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने में सहायक होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह एक आवश्यक और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जो खनन गतिविधियों को सुरक्षित और टिकाऊ बनाती है।

कुल मिलाकर, ग्राम कनकी में मॉयल लिमिटेड द्वारा किया जा रहा रेत खनन कार्य शासन द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुरूप बताया जा रहा है। प्रशासन एवं खनिज विभाग की सतत निगरानी के बीच यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बना रहे।

घायल तेंदुए को मिला नया जीवन: रेस्क्यू एवं उपचार के बाद जंगल में हुई वापसी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट जिले के वन क्षेत्र में मानवता और वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली, जहां एक घायल तेंदुए को न केवल बचाया गया, बल्कि उपचार के बाद सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ दिया गया।घटना 13 मार्च 2026 की है, जब वन परिक्षेत्र बालाघाट सामान्य की बीट आगरवाड़ा अंतर्गत ग्राम बीजाटोला के पास नहर किनारे एक तेंदुए के घायल होने की सूचना वन विभाग को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया। वनसंरक्षक गौरव चौधरी एवं वनमंडल अधिकारी नित्यानंदम एल. के निर्देशन में,

मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक से अनुमति प्राप्त कर विशेषज्ञ टीम को मौके पर भेजा गया। रेस्क्यू अभियान में नानाजी देशमुख वन्यप्राणी पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय की पशुचिकित्सक टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीम ने घायल तेंदुए का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे उपचार हेतु मुक्की रेस्क्यू सेंटर भेज दिया था।कुछ दिनों तक चले उपचार के बाद तेंदुए की स्थिति में सुधार हुआ और विशेषज्ञ पशुचिकित्सकों द्वारा उसे पूर्णतः स्वस्थ घोषित करते हुए फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किया गया। इसके बाद 24 मार्च को वन विभाग, पशुचिकित्सकों एवं कान्हा टाइगर रिजर्व के स्टाफ की मौजूदगी में तेंदुए को मानव व्यवधान से दूर एक सुरक्षित आरक्षित वन क्षेत्र में सफलतापूर्वक छोड़ दिया गया। यह पूरी कार्रवाई वन विभाग की सजगता, विशेषज्ञों के समन्वय और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस प्रयास से न केवल एक वन्यजीव का जीवन बचाया गया, बल्कि जैव विविधता संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

श्रीमती अनुसूईया बिसेन का निधन

बालाघाट। ग्राम पंचायत गर्रा के पूर्व सरपंच नत्थूलाल बिसेन जी की धर्म सहायिका एवं पूर्व उपसरपंच संजय बिसेन की मां श्रीमती अनुसूईया बिसेन उम्र 84 साल का वृद्धावस्था के कारण 24 मार्च की रात्रि 10:00 बजे निधन हो गया है, उनका अंतिम संस्कार आज 26 मार्च को प्रातः 10:00 बजे वैनगंगा के पावन तट पर मोक्षधाम में होगा, श्रीमती अनुसूईया बिसेन जी एक धर्मनिष्ठ , कर्तव्यनिष्ठ एवं समाजसेवी महिला थी । वे सहज ,सरल, हंसमुख , सुमधुर व्यवहार उनके व्यक्तित्व में था। वे अपने पीछे हरा-भरा परिवार छोड़कर गई है ! उनके निधन से संपूर्ण बिसेन परिवार एवं ग्राम गर्रा में शोक की लहर है। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में जगह दे तथा उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दे।

बालाघाट जिले का शानदार प्रदर्शन, कक्षा 5वीं में राज्य में दूसरा, 8वीं में तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा परिणामों में बालाघाट जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर टॉप फाइव में स्थान बनाया है। कक्षा 5वीं में बालाघाट जिला पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा है। इस कक्षा में कुल 25,936 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 25,755 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। जिले का कुल परीक्षा परिणाम 99.30 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार कक्षा 8वीं में बालाघाट जिला राज्य में तृतीय स्थान पर रहा है। कक्षा 8वीं में 24,479 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे, जिनमें से 24,164 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस कक्षा का कुल परिणाम 98.71 प्रतिशत दर्ज किया गया।इस शानदार सफलता का श्रेय शिक्षा विभाग की पूरी टीम, जिला प्रशासन एवं शिक्षकों के सतत प्रयासों को दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ द्वारा प्रत्येक मंगलवार को समीक्षा बैठक आयोजित की जाती थी, जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता प्रमुख विषय रहा।सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जी पी बर्मन ने बताया कि पूरे सत्र के दौरान प्रत्येक माह मासिक टेस्ट आयोजित किए गए और मॉनिटरिंगकर्ताओं द्वारा हर सप्ताह 10 स्कूलों का निरीक्षण किया गया। साथ ही ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू होने से शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हुई, जिससे

अध्यापन कार्य में सुधार आया।जिला शिक्षा केंद्र की टीम द्वारा प्रत्येक विकासखंड में हर माह 40-40 स्कूलों की मॉनिटरिंग की गई। इसके साथ ही जनपद शिक्षा केंद्र, बीएसी एवं जनशिक्षकों द्वारा भी लगातार निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप बालाघाट जिले ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

जिले के 105 सक्षम आंगनवाडी केंद्रो में बनाये जा रहे है शौचालय

बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वयं का भवन वाले सक्षम आंगनवाडी केंद्रो में शौचालय निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। बालाघाट जिले के 105 सक्षम आंगनवाडी केंद्रो में शौचालय निर्माण का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध 08 केंद्रो में शौचालय निर्माण का कार्य पूर्ण कर दिया गया है। जबकि 29 केंद्रो में शौचालय का कार्य चल रहा है। शेष 68 केंद्रो में शौचालय निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया ने बताया कि बाल विकास परियोजना बैहर के 14, बिरसा के 21, परसवाडा के 10, बालाघाट ग्रामीण के 09, लांजी के 13, किरनापुर के 09, वारासिवनी के 07, लालबर्रा के 11, कटंगी के 06, खैरलांजी के 03 एवं बालाघाट शहरी परियोजना के 02 सक्षम आंगनवाडी केंद्रो में शौचालय निर्माण का कार्य करने का लक्ष्य दिया गया है। इन शौचालयों का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा किया जाना है। बालाघाट ग्रामीण, लालबर्रा, कटंगी व खैरलांजी परियोजना के 01-01 तथा लांजी के 04 सक्षम आंगनवाडी केंद्रो में शौचालय निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सक्षम आंगनवाडी केंद्रो में शौचालय की सुविधा हो जाने से बच्चों को अच्छी सुविधा मिल जाएगी। विभाग के अनुसार, आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा, जिससे उनके स्वास्थ्य और स्वच्छता आदतों में सकारात्मक सुधार होगा।

नागरिकों से 31 मार्च तक संपत्तिकर एवं जलकर की राशि जमा करने की अपील

संपत्तिकर व जलप्रभार पर अधिभार में छूट 31 मार्च तक बढ़ाई गई

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत संपत्तिकर, जलप्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभारों पर अधिभार (सरचार्ज) में दी जा रही छूट को 31 मार्च 2026 तक निरंतर बनाए रखने का निर्णय लिया गया है। यह छूट लोक अदालत के तहत प्रदान की जा रही है। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 162 एवं 163 तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 130, 131 एवं 132 में निहित शक्तियों का उपयोग करते हुए यह विशेष छूट प्रदान की गई है।

नगर पालिका बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी डी कतरोलिया ने नगरीय क्षेत्र बालाघाट के नागरिकों से अपील की है कि इस विशेष छूट का लाभ लेने के लिए अपना संपत्ति कर जल कर 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा करायें। समय सीमा में कर जमा नहीं करने पर अधिभार लिया जायेगा और सख्तीर से करों की वसूली की जायेगी। जलकर की राशि जमा नहीं करने पर नल कनेक्शीन काटने की कार्यवाही भी की जायेगी। निर्धारित समय सीमा के बाद 1 अप्रैल 2026 से बकाया करों में दोगुनी वृद्धि की जाएगी। इसके साथ ही बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग एवं बैनर के माध्यम से प्रकाशित किए जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित करदाता की स्वयं होगी। अतः नागरिक अंतिम समय का इंतजार न करें और समय रहते अपने बकाया कर जमा कर नगर के विकास में सहयोग करें।

सांदीपनि विद्यालय के रासेयो शिविर का समापन

बालाघाट। राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई, सांदीपनि विद्यालय बालाघाट द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष आवासीय प्रशिक्षण शिविर का 24 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह शिविर 18 मार्च से 24 मार्च तक गोंगलई स्थित छात्रावास में आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले, उपप्राचार्य साजिद मोहिस एवं कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार कोर्राम के निर्देशन में किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य मनोज जैन उपस्थित रहे, जबकि अन्य अतिथियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई।

रेत का ठेका सरेंडर, लेकिन रेत का परिवहन धड़ल्ले से

रेत से भरा हुआ डम्पर खेत में पलटा

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। एक ओर तो रेत ठेकेदार द्वारा ठेका सरेंडर कर दिया गया है, लेकिन दूसरी ओर अभी भी रेत का परिवहन धड़ल्ले से हो रहा है। इसका एक नजारा मंगलवार की रात्रि लगभग 10 बजे ग्राम मेंहदीवाड़ा में देखने में आया, जब रेत से भरा हुए एक डम्पर एक बाईक सवार को बचाने के फेर में सडक़ से नीचे खेतों में पलट गया था। जिससे उसमें भरी हुई रेत खेत में बिखर गई।

कुम्हली से रेत भरकर खापा एथेनाल प्लॉट ले जा रहा था डम्पर: जानकारी अनुसार खैरलॉजी क्षेत्र के ग्राम कुम्हली के रेत घाट से एक डम्पर रेत भरकर ग्राम खापा के एथेनॉल प्लांट आ रहा था। लेकिन डम्पर चालक ग्राम मेंहदीवाड़ा पहुॅचने के बाद ग्राम खापा के लिए मुडऩे के स्थान पर सीधा वारासिवनी की ओर आने लगा। जब डम्पर चालक चंदन नदी के पुल के पास पहुॅचा, तो उसे समझ आया कि वह आगे बढ़ गया है। जिस पर उसने डम्पर को रिवर्स लेने के लिए मोडऩे का प्रयास किया। इसी दौरान एक पल्सर बाईक सवार डम्पर के पीछे आ गया। जिसे बचाने के फेर में डम्पर चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और डम्पर सडक़ किनारे खेत में पलट गया।

किसान के खेत में लगी फसल हुई खराब: इस घटना की खबर लगते ही घटनास्थल पर भीड़ एकत्रित हो गई थी। डम्पर के खेत में पलटने व रेत के खेत में बिखर जाने के कारण किसान की पूरी फसल खराब होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। वहीं रात्रि हो जाने के कारण डम्पर को बाहर नहीं निकाला गया। उसके बाद सुबह होने पर जेसीबी मशीन की मदद से डम्पर को बाहर निकाला गया। फिलहाल इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

रेत माफिया सक्रिय : लेकिन इस घटना से यह तो सिद्ध हो गया कि रेत का ठेका सरेंडर होने के बावजूद भी रेत माफिया धड़ल्ले से नदियों से रेत निकाल कर बेच रहे है और खनिज विभाग व जिला प्रशासन सिर्फ ट्रेक्टरों पर कार्यवाही कर वाहवाही लूटने का कार्य कर रहा है। उसका ध्यान इन रेत से भरे हुए भारी भरकम डम्परों की ओर नहीं हैं, जो निर्धारित क्षमत से अधिक व बिना रायल्टी के रेत का परिवहन कर रहे है।

प्रशासन की अपील अफवाह ना फैलाएं फिर भी मची अफरा-तफरी

पेट्रोल, डीजल की कमी की आशंकाओं के बीच 1 सौ और 2 सौ का मिल रहा पेट्रोल

हरिभूमि न्यूज कटंगी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही है, अभी यह कीमत 100 से 112 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। युद्ध के दौरान शिपिंग और ऊर्जा के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमलों और जलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट भी प्रभावित है। जिसका व्यापक असर भारत में पेट्रोल, डीजल जैसी ईंधन की आपूर्ति पर पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल की कमी की आशंकाओं के बीच बालाघाट जिले में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो चुका है। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर और गोंदिया के पेट्रोल पंपों में पर्याप्त ईंधन नहीं मिलने के बाद से 24 मार्च की देर रात से जिले के तमाम पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ दिखाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया के जरिए यह अफवाह फैलाई गई कि बालाघाट जिले में पेट्रोल पंप बंद हो सकते है। जिसके बाद जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में संचालित होने वाले पेट्रोल पंपों पर गाड़ियों की लंबी-लंबी कतार लग गई। कटंगी और तिरोड़ी तहसील क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। जिला मुख्यालय बालाघाट में तो नौबत यहां तक आई कि कलेक्टर मृणाल मीणा और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को प्रशासनिक अमले के साथ धरातल पर उतरकर स्थिति को संभालना पड़ा। कलेक्टर ने बताया कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है जनता परेशान ना हो। हालांकि पेट्रोल पंप में ग्राहकों को केवल सौ और दो सौ रुपए का पेट्रोल ही दिया जा रहा है। गौरतलब हो कि 24 मार्च को हिंदुस्तान पेट्रोलियम और 25 मार्च को इंडियल आयॅल कार्पोरेशन लिमिटेड ने भी एक बयान जारी कर रहा है कि देश में पेट्रोल डीजल की कोई कमी नहीं हैं। कंपनी ने भी लोगों ने कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही अपवाहों पर भरोसा ना करें और ना आगे बढ़ाएं। ऑनलाइन फैल रही अफवाहें बेवजह चिंता पैदा कर सकती है और सामान्य आपूर्ति व्यवस्था को बाधित कर सकती है।

दरअसल, कटंगी शहरी सीमा में संचालित पालीवाल पेट्रोल पंप, खजरी में पटले पेट्रोल पंप, कतरकना रोड़ स्थित पेट्रोल पंप, वारासिवनी रोड़ स्थित दोनों पेट्रोल पंप और अगासी के पेट्रोल पंप में अचानक से मंगलवार की देर रात वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। यही हाल तिरोड़ी और बोनकट्टा के पंप में भी दिखाई दिया। जिस कारण पंप में मौजूद पेट्रोल और डीजल का स्टॉक समाप्त हो गया। बुधवार की सुबह नांदी पेट्रोल पंप में इस कदर ग्राहकों की भीड़ दिखाई दी कि नायब तहसीलदार को पंप में पहुंचकर लोगों को समझाइश देनी पड़ी। नांदी पेट्रोल पंप के सामने लगी वाहनों की लंबी कतार में लोगों को अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल कराने के साथ-साथ केन, बोतल और कैंपर में भी ईंधन भरवाते हुए देखे गए। दोपहर 2 बजे के बाद कई पंप में रिर्जव स्टॉक का बोर्ड चस्पा दिया गया और कई पंप में केवल एक सौ रुपए का ही पेट्रोल दिया गया। शाम 06 बजे तक जो जानकारी मिली उसके अनुसार अधिकांश पेट्रोल पंप जिनके पास पेट्रोल का स्टॉक था उनके ग्राहकों को केवल 100 रुपए का ही पेट्रोल दिया। बोनकट्टा पंप ने शाम को डीजल की सप्लाई पूरी तरह से बंद कर दी और प्रत्येक बाइक में केवल 100 रुपए का ही पेट्रोल डीजल प्रदान किया।